



Devashish sahgai



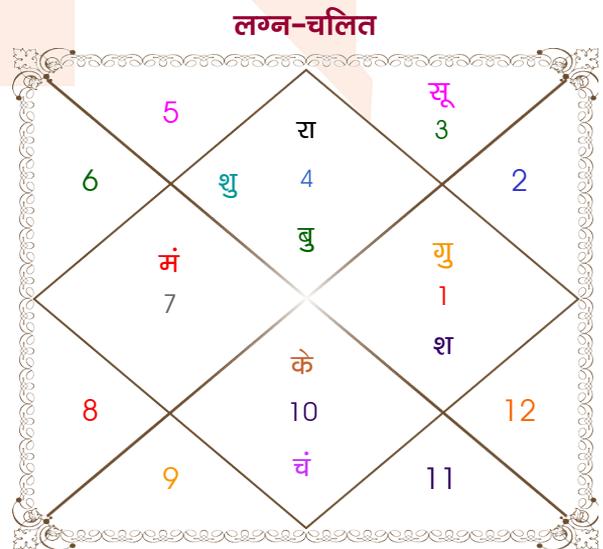
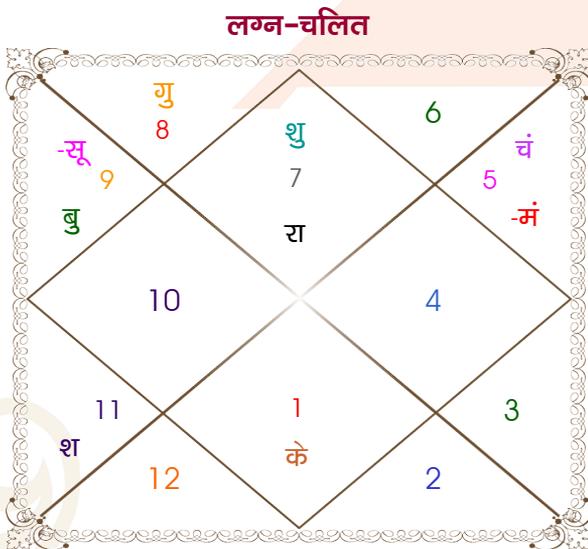
Ms.shreya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121198806

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 24-25/12/1994 : _____ जन्म तिथि _____ : 01/07/1999
 शनि-रविवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 03:45:00 : _____ जन्म समय _____ : 08:25:00 घंटे
 घटी 51:24:31 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 07:25:48 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:11:11 : _____ सूर्योदय _____ : 05:26:40
 17:30:38 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:22:54
 23:47:25 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:48

विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 3मा 14दि राहु 09/04/2017 10/04/2035	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 9वर्ष 11मा 11दि राहु 11/06/2016 11/06/2034	
राहु	21/12/2019	23:16:32	तुला	लग्न	कर्क	22:23:03	
गुरु	16/05/2022	09:05:24	धनु	सूर्य	मिथु	15:01:01	
शनि	22/03/2025	28:14:39	सिंह	चंद्र	मक	10:04:14	
बुध	09/10/2027	08:22:43	सिंह	मंगल	तुला	04:52:53	
केतु	27/10/2028	15:13:46	धनु	बुध	कर्क	10:26:07	
शुक्र	28/10/2031	09:29:55	वृश्चि	गुरु	मेष	06:34:46	
सूर्य	20/09/2032	23:53:52	तुला	शुक्र	कर्क	28:38:17	
चन्द्र	22/03/2034	13:38:41	कुंभ	शनि	मेष	20:23:05	
मंगल	10/04/2035	19:41:07	तुला व	राहु व	कर्क	19:21:15	
		19:41:07	मेष व	केतु व	मक	19:21:15	
		01:16:52	मक	हर्ष	मक	22:19:50	
		28:31:04	धनु	नेप	मक	09:47:13	
		05:29:42	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:29:19	
						मंगल	11/06/2034



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

कमर्षीपीपीहंस का वर्ग श्वान है तथा Ms.shreya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कमर्षीपीपीहंस और Ms.shreya का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

कमर्षीपीपीहंस मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.shreya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल कमर्षीपीपीहंस की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

कमर्षीपीपीहंस तथा Ms.shreya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।